ऊँचे ऊँचे भवनों बैठी | By Uma Lahari |

ऊँचे ऊँचे भवनों बैठी
रूप अनेकों धारे
चरण चाकरी कर लो भैया
हो जाए वारे न्यारे बोलो
बोलो जय जयकारे
माँ के बोलो जय जयकारे

शेर पे मैया चढ़ी चढ़ी
ज्योत सवाई बड़ी बड़ी
आने वाली है मेरी
माई आने वाली है
लाल चुनरिया जड़ी जड़ी
देखे दुनिया खड़ी खड़ी
शेरोंवाली मेहरोंवाली
माई लाटावाली है

कलकत्ते काली जोतावाली
माता ज्वाला
जम्मू में माता वैष्णोवाली
विंध्यवासिनी विंध्याचल के
गुवाहाटी कामाख्या
मनसा माता नैना देवी
शैलसुता माँ शाक्या बोलो
बोलो जय जयकारे
माँ के बोलो जय जयकारे

दयालु बड़ी माँ दयालु बड़ी
माता करुणामयी कंजकमा
सबकी झोली भरे
सबके संकट हरे
माई जगदंबिके अंबिके माँ
लहरी न जाने क्या बखाने
ये ही माने
मनसा माँ मनसा पूर्णे वाली
जिस घर होवे पूजा माँ की
खुशियाँ खुशियाँ बरसे
आज तलक खाली न लौटा
कोई माँ के दर से बोलो
बोलो जय जयकारे
माँ के बोलो जय जयकारे

ऊँचे ऊँचे भवनों बैठी
रूप अनेकों धारे
चरण चाकरी कर लो भैया
हो जाए वारे न्यारे बोलो
बोलो जय जयकारे
माँ के बोलो जय जयकारे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8a%e0%a4%81%e0%a4%9a%e0%a5%87-%e0%a4%8a%e0%a4%81%e0%a4%9a%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%b5%e0%a4%a8%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%80-by-uma-lahari/